भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2374

दिनांक 13 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

थैलेसीमिया रोगियों और रक्त आधान की सुरक्षा

†2374. सुश्री कंगना रनौतः

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में पंजीकृत थैलेसीमिया रोगियों की संख्या कितनी है और पिछले पांच वर्षों के दौरान इसके प्रसार और मृत्यु दर में क्या रुझान रहे हैं;
(ख) थैलेसीमिया के लिए पिछले पांच वर्षों के दौरान स्थापित या मजबूत किए गए विशिष्ट बुनियादी ढांचे की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) देश में थैलेसीमिया के मरीजों के बीच एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने के कारण हुई मौतों की कितनी संख्या दर्ज की गई है;
(घ) एचआईवी और अन्य संक्रमणों की स्क्रीनिंग सहित रक्त आधान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, विशेषकर थैलेसीमिया के मरीजों के लिए बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए कौन से प्रोटोकॉल और नियामक तंत्र मौजूद हैं; और
(ङ) क्या सरकार ने थैलेसीमिया की रोकथाम, शीघ्र पहचान और दीर्घकालिक प्रबंधन के लिए कोई राष्ट्रीय रणनीति या लक्षित हस्तक्षेप किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ): सिकल सेल पोर्टल में, राज्यों के लिए अपने-अपने राज्यों में मौजूद थैलेसीमिया रोगियों का रिकॉर्ड दर्ज करने हेतु 2023 में थैलेसीमिया मॉड्यूल जोड़ा गया था। निगरानी और फॉलोअप किया जाता है और स्क्रीनिंग के लिए थैलेसीमिया का डेटा नियमित रूप से राष्ट्रीय पोर्टल पर दर्ज किया जाता है।

राज्यों द्वारा राष्ट्रीय पोर्टल पर अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, थैलेसीमिया के लिए जांच किए गए 33,44,507 व्यक्तियों में से, 09.02.2026 तक कुल 11,274 व्यक्तियों को रोगग्रस्त और 94,542 व्यक्तियों को थैलेसीमिया के वाहक के रूप में पहचाना गया है।

थैलेसीमिया के प्रबंधन और जागरूकता बढ़ाने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। हालांकि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें जन स्वास्थ्य केंद्रों में थैलेसीमिया की रोकथाम और प्रबंधन, रक्त बैंक सुविधाएं, डे केयर सेंटर, दवाएं, प्रयोगशाला सेवाएं, सूचना एवं संचार संचार (आईईसी) गतिविधियां और मानव संसाधन प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था शामिल है। यह सहायता राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपने कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर प्रदान की जाती है।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के अंतर्गत, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने महाराष्ट्र के चंद्रपुर में आईसीएमआर-राष्ट्रीय इम्यूनोहेमेटोलॉजी संस्थान (एनआईआईएच) और हीमोग्लोबिनोपैथी के अनुसंधान प्रबंधन और नियंत्रण के लिए एक केंद्र स्थापित किया है, जो थैलेसीमिया के लिए अनुसंधान, निदान, रक्त आधान सहायता और क्षमता निर्माण में सहयोग करता है।

यह मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के सहयोग से थैलेसीमिया बाल सेवा योजना (टीबीएसवाई) नामक एक योजना लागू कर रहा है, जिसके तहत सीआईएल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष से पात्र रोगियों को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण (बीएमटी) के लिए 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत देश भर में फैले सत्रह सूचीबद्ध अस्पतालों में बीएमटी की सुविधा उपलब्ध है।

थैलेसीमिया रोगियों में एचआईवी संक्रमित रक्त आधान के कारण होने वाली मौतों की संख्या से संबंधित आंकड़े केंद्रीय स्तर पर संग्रहित नहीं किए जाते हैं।

रक्त विकारों से पीड़ित रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों को निर्देश जारी किए गए हैं कि सभी रक्त केंद्र लागू वैधानिक प्रावधानों और राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) द्वारा समय-समय पर जारी किए गए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों और मानकों के अनुसार कार्य करें, जिनमें रक्त केंद्रों और रक्त आधान सेवाओं के लिए राष्ट्रीय मानक (2022), आधान चिकित्सा तकनीकी नियमावली (2023), बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना (ईक्यूएएस) परिचालन दिशानिर्देश (2024), स्वैच्छिक रक्तदान के लिए दिशानिर्देश (2024) और संशोधित दाता चयन और रेफरल दिशानिर्देश (2025) आदि शामिल हैं।

भारत में हीमोग्लोबिनोपैथी की रोकथाम और नियंत्रण पर व्यापक दिशानिर्देश - थैलेसीमिया और सिकल सेल रोग तथा अन्य प्रकार के हीमोग्लोबिन (2016) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को थैलेसीमिया सहित हीमोग्लोबिनोपैथी के प्रबंधन में सहायता प्रदान करने के लिए साझा किए गए है। इन दिशानिर्देशों में

थैलेसीमिया रोग के प्रबंधन की रणनीतियों का विस्तार से वर्णन किया गया है, जिसमें थैलेसीमिया मेजर (पैक्ड रेड ब्लड सेल के साथ रक्त आधान चिकित्सा, आयरन ओवरलोड के लिए आयरन केलेशन, जटिलताओं की निगरानी और प्रबंधन तथा मनोवैज्ञानिक सहायता आदि) और नॉन-ट्रांसफ्यूजन डिपेंडेंट थैलेसीमिया (एनटीडीटी) आदि शामिल हैं।

*****